MBB-001-001477 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) Examination

March / April - 2018

Hindi : Paper - IX

(हिन्दी की दलितचेतना संपन्न आत्मकथा : जूठन)

(Elective - 1) (Optional) (Old Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001477

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट है ।
(२) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

१ ओमप्रकाश वाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय देते हुए हिन्दी दलित साहित्य में उनके योगदान पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ ''दलित–जीवन की पीडाएँ असहनीय और अनुभव–दग्ध हैं ।'' – 'जूठन' आत्मकथा के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

२ 'जूठन' आत्मकथा की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए । १४

अथवा

२ 'जूठन' आत्मकथा में दलितचेतना का विस्तार समझाइए । १४

३ 'जूठन' आत्मकथा के आधार पर ओमप्रकाश (लेखक) का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ 'जूठन' आत्मकथा में निरुपित पात्रों की मनोदशा पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । १४

४ '' 'जूठन' – सामाजिक सड़ाँध को उजागर करने वाली दलित लेखक की आत्मकथा है ।'' – इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए । १४

अथवा

४ ' 'जूठन' आत्मकथा के विविध संदर्भ' – विषय पर सारगर्भित लेख लिखिए । १४

५ किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'जूठन' आत्मकथा की भाषा–शैली

(२) स्वर्णलता का चरित्र–चित्रण

(३) 'जूठन' आत्मकथा में आत्मबोध

(४) 'जूठन' आत्मकथा का उद्देश्य ।